



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

26 वैशाख 1939 (श0)
(सं0 पटना 392) पटना, मंगलवार, 16 मई 2017

सं0 08/आरोप-01-09/2014,सां0प्र0-560

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

17 जनवरी 2017

श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-732/11 के विरुद्ध प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी, भोजपुर के रूप में कार्य सम्पादन के दौरान दायित्व निर्वहन में लापरवाही बरतने, अधीनस्थ कर्मियों पर नियंत्रण बनाये रखने में विफल रहने एवं अवैध वसूली में संलिप्त रहने का आरोप जिला पदाधिकारी, भोजपुर, आरा के पत्रांक-231, दिनांक 29.01.2014 एवं पुलिस अधीक्षक, भोजपुर आरा के पत्रांक-3610, दिनांक 19.06.2014 द्वारा प्राप्त हुआ। इस क्रम में नवादा थाना कांड सं०-18/14, दिनांक 11.01.2014 एवं निगरानी वाद सं०-05/14 दर्ज होने की सूचना भी प्राप्त हुई। इसके पश्चात् बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम 17 (2) के आलोक में विभागीय स्तर पर आरोप, प्रपत्र 'क' गठित करते हुए संकल्प ज्ञापांक-12846, दिनांक 15.09.2014 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. संचालन पदाधिकारी यथा संयुक्त आयुक्त, विभागीय जाँच, पटना प्रमंडल, पटना के पत्रांक-1095, दिनांक 29.07.2015 द्वारा उक्त विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें श्री गुप्ता के विरुद्ध गठित आरोपों में से मात्र पर्यवेक्षण में चूक संबंधी आरोप (आरोप सं०-1) प्रमाणित बताया गया।

3. विभागीय पत्रांक-4350, दिनांक 21.03.2016 द्वारा उक्त जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न करते हुए प्रमाणित आरोपों पर श्री गुप्ता से बचाव बयान/द्वितीय कारण-पृच्छा स्पष्टीकरण माँगी गयी। इस क्रम में श्री गुप्ता ने अपना स्पष्टीकरण (पत्रांक-1018, दिनांक 10.05.2016) समर्पित किया जिसमें अत्यधिक कार्यबोझ/अतिरिक्त प्रभार होने

के साथ-साथ कतिपय अन्य तथ्यों के आधार पर उक्त प्रमाणित आरोप का प्रतिकार किया। इसके पश्चात् श्री गुप्ता ने एक अभ्यावेदन (दिनांक 23.11.2016) भी समर्पित किया, जिसमें उन्होंने स्वयं के विरुद्ध दर्ज नवादा थाना कांड सं०-18/14, दिनांक 11.01.2014 में पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद द्वारा पारित आदेश (ज्ञापांक-1804, दिनांक 01.11.2016) के आधार पर स्वयं के निर्दोष होने की बात कही।

4. अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर आरोप, प्रपत्र 'क', जाँच प्रतिवेदन एवं श्री गुप्ता के स्पष्टीकरण की समीक्षा के उपरान्त यह पाया गया कि उनके विरुद्ध गठित आरोप मूल रूप से नवादा थाना कांड सं०-18/14, दिनांक 11.01.2014 में निहित तथ्यों पर आधारित है तथा पुलिस उप-महानिरीक्षक, शाहाबाद द्वारा उक्त कांड में श्री गुप्ता की संलिप्तता परिलक्षित नहीं होने तथा उनके निर्दोष होने का तथ्य अंकित किया गया है। इसके बावजूद अपने कार्यकाल में श्री गुप्ता को समाहरणालय एवं परिवहन कार्यालय परिसर स्थित पूर्व से स्थापित गुमटियों को हटाने की दिशा में अपने स्तर से प्रयास करना चाहिए था, जो उन्होंने नहीं किया। इस परिप्रेक्ष्य में श्री गुप्ता का लिखित अभिकथन उक्त हदतक स्वीकार योग्य नहीं पाया गया तथा पर्यवेक्षण एवं सतर्कता में चूक का आरोप प्रमाणित होता है।

5. अतएव सम्यक् विचारोपरांत उक्त प्रमाणित आरोपों के लिए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14 के तहत श्री प्रदीप कुमार गुप्ता, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-732/11 के विरुद्ध निम्नलिखित शास्ति अधिरोपित की जाती है :-

(क) निन्दन (आरोप वर्ष-13-14 के प्रभाव से)

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय,
सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 392-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>